'हर 10 कि.मी. दूरी पर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराएगी सरकार'

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन में सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक कर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं, मानव संसाधन, दवा-जांच सुविधाओं और मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा की।

खींवसर ने कहा कि प्रदेशवासियों को घर के नजदीक प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक 10 किलोमीटर पर सब-सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए भारत सरकार का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न संवर्गों में 50 हजार पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं। अब मानव संसाधन का उपयोग स्थानीय जरूरत के अनुसार करने पर जोर दिया जाएगा। ट्रोमा सेंटर, प्रसव सुविधा वाले स्वास्थ्य केन्द्रों और दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने चिकित्सा संस्थानों के भवनों की सुरक्षा के लिए संस्था प्रभारियों की जिम्मेदारी तय करने तथा 3 माह में सभी चिकित्सा संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए।

'23 लाख पांडुलिपियों का सर्वे, 1.24 लाख को डिजिटाइज्ड किया'

जयपुर। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के "ज्ञान भारतम मिशन" के तहत सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) झालाना में पाण्डुलिपि डिजिटलीकरण कार्यशाला आयोजित हुई। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन तथा कला-संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि पाण्डुलिपियां केवल अतीत की कहानी नहीं, बल्कि भविष्य की प्रेरणा हैं। प्राचीन ज्ञान को आधुनिक तकनीक से जोड़ना विकसित भारत की शक्ति है। कार्यशाला में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास भी उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि राजस्थान में राजकीय व निजी संग्रह, पुस्तकालयों, मंदिरों और मठों से करीब 23 लाख पाण्डुलिपियों का सर्वे किया गया है, जिनमें से 1.24 लाख का डिजिटलीकरण हो चुका है। राज्य सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पाण्डुलिपि को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाना है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्राचीन ग्रंथ और दस्तावेज महत्वपूर्ण सांस्कृतिक धरोहर हैं। उन्होंने विश्वविद्यालयों के संस्कृत विभागों को साथ लेकर तालपत्रों के संरक्षण, संस्कृत शब्दावली तैयार करने, विभागों में समन्वय बढ़ाने और युवाओं को शोध के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया।

चुनाव आयोग के खिलाफ जयपुर में सड़कों पर आंदोलन करने उतरी कांग्रेस

शहीद स्मारक पर प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ी तो पुलिस ने वाटर कैनन चलाकर रोका

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। "वोट चोरी" और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं के आरोपों को लेकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को जयपुर में चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया।

शहीद स्मारक पर सभा के बाद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग कार्यालय की ओर पैदल मार्च किया। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर विद्याधर नगर थाने ले जाया गया।

जानकारी के अनुसार प्रदर्शन को देखते हुए शहीद स्मारक से लेकर चुनाव आयोग कार्यालय और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस का भारी जाब्ता तैनात किया गया था। बैरिकेडिंग के साथ वाटर कैनन भी मौके पर रखे गए। प्रदर्शन के कारण एमआई रोड सहित आसपास के मार्गों पर यातायात को डायवर्ट किया गया।

प्रदर्शन से पहले शहीद स्मारक पर सभा आयोजित की गई। इसमें अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा, सुखजिंदर सिंह रंधावा, टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी सहित कांग्रेस के कई नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। सभा के बाद डोटासरा के नेतृत्व में कार्यकर्ता चुनाव आयोग कार्यालय की ओर रवाना हुए। प्रदर्शन का ऐलान कांग्रेस ने मतदाता सूचियों और चुनाव प्रक्रिया से जुडे मुद्दों को लेकर किया था।

डोटासरा ने लगाए गंभीर आरोप

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ जनता के बीच जाएगी। डोटासरा ने कहा कि यह प्रदर्शन शुरुआत है और पार्टी लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन जारी रखेगी।

डोटासरा ने केंद्र सरकार और भाजपा पर विपक्षी नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियों के इस्तेमाल का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगामी पंचायत चुनावों को लेकर भी सजग रहना होगा। उन्होंने निकाय चुनावों में पुलिस-प्रशासन के कथित दुरुपयोग के आरोप दोहराए।

"वोट चोरी" और मतदाता सूचियों की एस.आई.आर. में कथित अनियमितताओं के आरोपों को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को जयपुर में चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया।

- एम.आई. रोड से चुनाव आयोग कार्यालय की ओर कूच के दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की हुई
- डोटासरा, रंधावा व जूली समेत कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया

राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने लोकतंत्र के लिए गिरफ्तारी दी है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता बनी रहनी चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफे की मांग की और आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में अनियमितताओं के कारण कांग्रेस आंदोलन कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लोगों के बीच जाकर चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को समझाना होगा। गहलोत ने एसआईआर को लेकर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि लंबे समय से मतदान कर रहे लोगों के नामों पर भी सवाल खड़े किए गए तथा कई बड़े नेताओं के घर नोटिस भेजे गए। उन्होंने कहा कि 'वोट चोरी' के खिलाफ आंदोलन लोकतंत्र बचाने की लडाई है।

प्रदर्शन से पहले आपस में भिड़े कांग्रेस कार्यकर्ता

शहीद स्मारक पर मुख्य कार्यक्रम शुरू होने से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं के दो गुटों के बीच किसी बात को लेकर विवाद और मारपीट की सूचना भी सामने आई। पुलिस ने बीच-बचाव कर स्थिति संभाली। इसके बाद सभा और नेताओं के संबोधन का कार्यक्रम आगे बढ़ा।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा, सुखजिंदर रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। कांग्रेस की ओर से करीब 100 नेताओं के हिरासत में लिए जाने की बात कही गई। पुलिस ने सभी को वैन से विद्याधर नगर थाने ले जाया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ओर से वाटर कैनन के इस्तेमाल की पुष्टि विभिन्न रिपोर्टों में हुई है। कांग्रेस ने इससे पहले 28 सितंबर को जयपुर में प्रदर्शन की घोषणा करते हुए कहा था कि मतदाता सूचियों के एसआईआर और चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर वह निर्वाचन आयोग के समक्ष विरोध दर्ज कराएगी।

तलाक के बाद बच्चे के पासपोर्ट में पिता का नाम अनिवार्य नहीं : हाईकोर्ट

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि माता-पिता में तलाक के बाद बच्चे के पासपोर्ट पर उसके पिता का नाम लिखना अनिवार्य नहीं है। यदि बच्चे की कस्टडी मां के पास है और पिता ने बच्चे से सभी रिश्ते खत्म कर लिए है तो बच्चे के पासपोर्ट पर केवल मां का नाम लिखना ही पर्याप्त है।

इसके साथ ही अदालत ने पासपोर्ट ऑफिस के 13 मई 2024 का वह आदेश रद्द कर दिया है, जिसमें बच्चे के पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए पिता के नाम का एक शपथ पत्र देने के लिए कहा था। अदालत ने पासपोर्ट अथॉरिटी को निर्देश दिए हैं कि एक महीने में पिता का नाम लिखे बिना केवल मां के नाम के साथ बच्चे का पासपोर्ट का नवीनीकरण कर जारी करें।

जस्टिस मनीष शर्मा ने यह निर्देश बच्चे की अपने मां के जरिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।याचिका में अधिवक्ता अर्चित बोहरा ने बताया कि याचिकाकर्ता 14 साल का नाबालिग बच्चा है। उसके माता-पिता की शादी जून 2010 में हुई थी। आपसी सहमति से उनके बीच तलाक हो गया और अक्टूबर 2017 में तलाक की डिक्री में उसकी कस्टडी मां को दी गई।

इस दौरान साल 2019 में याचिकाकर्ता का पासपोर्ट सिंगल पेरेंट के तौर पर बनवाया, जो 7 मई 2024 तक वैध था। उसमें केवल याचिकाकर्ता की मां का नाम लिखा था। याचिकाकर्ता की मां ने याचिकाकर्ता के पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए आवेदन किया तो पासपोर्ट ऑफिस ने 13 मई 2024 के आदेश से उसे पिता के नाम का शपथ पत्र देने के लिए कहा। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि 2019 में याचिकाकर्ता का पासपोर्ट पिता का नाम दर्ज किए बिना जारी हो चुका है तो नवीनीकरण के समय पिता के नाम को जरूरी करना सही नहीं है।

इसके जवाब में राज्य सरकार ने कहा कि पासपोर्ट मैन्युअल प्रावधानों और विदेश मंत्रालय के 28 फरवरी 2023 के स्पष्टीकरण के अनुसार शादीशुदा माता-पिता से पैदा नाबालिग बच्चे के मामले में दोनों जैविक अभिभावक के नाम उपलब्ध कराना जरूरी है, चाहे बाद में उनका तलाक हो गया हो। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने कहा है कि तलाक के बाद बच्चे के पासपोर्ट में पिता का नाम अनिवार्य नहीं है।

कांग्रेस की स्थिति "खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे" वाली : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस द्वारा किए गए विरोध-प्रदर्शन को "खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे" वाली स्थिति बताया। उन्होंने कहा कि देश में कांग्रेस पार्टी चुनाव नहीं जीत पा रही तो वह संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने में जुट गई। आश्चर्य है कि कांग्रेस जहां चुनाव जीतती है, वहां अपनी पीठ थपथपाती है और जहां चुनाव हारती है, वहां हार का ठीकरा ईवीएम, एसआईआर और चुनाव आयोग पर फोड़ती है। कांग्रेस जिसने कभी जनता के बीच जाकर काम नहीं किया, और अब बिना सत्ता के छटपटा रही है। उनकी लगातार हो रही हार के चलते कांग्रेसी नेता कुंठित हो गए और हताशा, निराशा में इस तरह के विरोध प्रदर्शन कर रहे है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि कांग्रेस की निकाय चुनावों में हुई हार के बाद आपसी सिर-फुटव्वल बाहर आ रही है। गहलोत डोटासरा पर तो उनके जिलाध्यक्ष अपने ही विधायकों के खिलाफ गुस्सा उतार रहे है, जो अब सड़कों पर आ गया। अंदरूनी रूप से बिखर चुकी कांग्रेस पार्टी में अब कुछ बचा ही नहीं, अपने आप को जिंदा रखने के लिए और सुर्खियों में बना रहने के लिए अनर्गल बयानबाजी, बिना कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन कर रहे है। शहर में किए गए प्रदर्शन में उनके नेता तो नजर आए लेकिन कार्यकर्ताओं का अभाव ही नजर आ रहा था। कांग्रेस के पास अब ना तो कोई नीति है और ना ही कोई मजबूत विजन है।

सार-समाचार

आर.सी.टी. की नई तकनीकों पर मंथन

जयपुर (कासं)। इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) राजस्थान शाखा की ओर से जयपुर में इंडियन डैंटल एक्सपर्ट कांग्रेस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आरसीटी (रूट कैनाल ट्रीटमेंट) की नई ऑब्चुरेशन तकनीकों पर विशेष सत्र हुआ। सत्र में मुंबई के डॉ. अजीत शालिग्राम ने आधुनिक ऑब्चुरेशन तकनीकों और उनके क्लिनिकल उपयोग की जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईडीए के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. हरीश भारद्वाज रहे, जबकि अध्यक्षता आईडीए राजस्थान के सचिव डॉ. जे. एस. वालिया ने की। कार्यक्रम में भरतपुर के वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. धर्मेंद्र शर्मा, आईडीए जयपुर ग्रेटर के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भारद्वाज, सचिव डॉ. सुनील राघव, डॉ. अभिलाषा वालिया और डॉ. राजेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में दंत चिकित्सकों ने भाग लिया।

कुलपति प्रो. बी.पी. सारस्वत का स्वागत

जयपुर । ऑल राजस्थान यूनिवर्सिटीज टीचर्स एसोसिएशन (एआरयूटीए) के अध्यक्ष प्रो. बी.डी. रावत एवं उपाध्यक्ष प्रो. मधुसूदन के नेतृत्व में वरिष्ठ शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त कुलपति प्रो. बी.पी. सारस्वत से मुलाकात कर उनका स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षकों एवं पेंशनरों की लंबित समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति को बताया कि 29 नवंबर 2018 के उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार 98 वरिष्ठ शिक्षकों को प्रथम नियुक्ति तिथि से करियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) का लाभ दिया जाना है। विश्वविद्यालय की स्क्रीनिंग, यूजीसी दिशा-निर्देश, राज्य सरकार के निर्देश और चयन समिति की प्रक्रिया के बाद इन शिक्षकों को प्रोफेसर पद पर पदोन्नत किया जा चुका है तथा सिंडिकेट ने 21 सितंबर 2021 को पदोन्नित पत्र जारी किए थे। विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार की समीक्षा याचिकाएं भी 5 नवंबर 2019 को खारिज हो चुकी हैं। बैठक में प्रो. मीनाक्षी चतुर्वेदी, प्रो. बी.एल. गुप्ता, प्रो. अनिल बंसल एवं प्रो. आर.के. गुर्जर ने विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं में सुधार के सुझाव दिए। प्रो. बी.डी. रावत ने पेंशनरों को समय पर पेंशन दिलाने की मांग भी रखी। अंत में प्रो. मधु भट्ट एवं प्रो. सोमना दत्तने कुलपति का आभार जताया।

अनुभवात्मक शिक्षक विकास कार्यक्रम

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय के आर.ए. पोद्दार प्रबंधन संस्थान (आरएपीआईएम) में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के पश्चिमी क्षेत्र के लिए एक-सप्ताह के अनुभवात्मक शिक्षक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। देश के विभिन्न राज्यों से 250 से अधिक शिक्षक-शिक्षकों की कार्यक्रम में सहभागिता रही। आयोजन वीबीयूएसएस ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई), आईयूसीटीई-बीएचयू और आरएपीआईएम के सहयोग से किया। आरएपीआईएम निदेशक प्रो. अनुराग शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम में प्रत्यक्ष अनुभव, अवलोकन, संवाद एवं चिंतन के माध्यम से शिक्षण क्षमता विकसित करने पर जोर दिया गया। प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में विद्यार्थी-केंद्रित एवं अनुभवात्मक शिक्षा को महत्वपूर्ण बताया। प्रो. संजय शर्मा, प्रो. जे.एन. बालिया, डी. रामकृष्ण राव, भरत भाई ढोकाई सहित विशेषज्ञों ने पंचकोश आधारित समग्र विकास, शिक्षक प्रशिक्षण, पंचपदी शिक्षण पद्धित और निरंतर व्यावसायिक विकास पर विचार रखे। समापन सत्र में एमआईटीआरए मोबाइल ऐप एवं इम्प्लीमेंटेशन हैंडबुक की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के बाद प्रतिभागियों ने आवंटित विद्यालयों में कक्षा-अवलोकन एवं अनुभवात्मक गतिविधियों में सहभागिता की।

414 करोड़ रु. के मृत्यु दावों का निपटान

जयपुर । आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 99.31 प्रतिशत का क्लेम सेटलमेंट रेशियो दर्ज किया। कंपनी के अनुसार, आधिकारिक आंकड़ों (फॉर्म एल-39 और एल-40) के आधार पर यह भारत की प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में सर्वाधिक है। इस अवधि में कंपनी ने 414.08 करोड़ रुपए के व्यक्तिगत मृत्यु दावों का निपटान किया। कंपनी के अनुसार, प्रमुख जीवन बीमाकर्ताओं में वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में उसका प्रति दावा औसत मूल्य करीब 15 लाख रुपए रहा, जो सर्वाधिक है। बिना जांच वाले मामलों में अंतिम दस्तावेज प्राप्त होने की तारीख से क्लेम निपटाने का औसत समय केवल एक दिन रहा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ-अंडरराइटिंग एंड रिटेल क्लेम्स सारंग गोखले ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि "क्लेम फॉर श्योर" पहल के तहत पात्र दावों में करीब 75 करोड़ रुपए का भुगतान एक ही दिन में किया गया।

रिटायर्ड एडीजी से 2.12 करोड़ रु. की डिजिटल अरेस्ट ठगी का आरोपी गिरफ्तार

आरोपी ने मात्र 5-6 हजार रुपए के कमीशन में बेच दिया था बैंक खाता

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सेंट्रल साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, राजस्थान की टीम ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) से 2.12 करोड़ रुपए की डिजिटल अरेस्ट ठगी के मामले में छठे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चौमूं निवासी साहिल कुमार सुरेला को गिरफ्तार किया। आरोपी ने 5-6 हजार रुपए के कमीशन के बदले अपना बैंक खाता साइबर ठगों को उपलब्ध कराया था। पुलिस अब तक मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साइबर क्राईम विजय कुमार सिंह ने बताया कि जयपुर निवासी सेवानिवृत्त एडीजी ने रिपोर्ट में बताया कि 9 से 18 अगस्त 2026 के बीच ठगों ने मोबाइल और व्हाट्सएप कॉल के जरिए उनसे संपर्क किया। आरोपियों ने खुद को पुलिस और केंद्रीय सरकारी

आरोपी साहिल कुमार

एजेंसियों का अधिकारी बताते हुए उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होने, गिरफ्तारी वारंट जारी होने और मनी लॉन्ड्रिंग में फंसने का डर दिखाया।

ठगों ने उन्हें लगातार वॉट्सऐप वीडियो कॉल पर निगरानी में रखा और लाइव लोकेशन चालू रखने के साथ किसी से संपर्क नहीं करने की हिदायत दी। फर्जी सरकारी पत्र और गिरफ्तारी वारंट भेजकर बैंक खातों की जांच के

- गिरफ्तार बदमाश ने अपने आधार नंबर में भी ठग का मोबाइल नंबर अपडेट कराया था

नाम पर रकम ट्रांसफर करने का दबाव बनाया गया। डर के चलते पीड़ित ने 13 अगस्त को आईसीआईसीआई बैंक के खाते में 2.02 करोड़ रुपए और 18 अगस्त को यस बैंक के खाते में 10.10 लाख रुपए के जरिए जमा करा दिए। इस तरह कुल 2 करोड़ 12 लाख 10 हजार रुपए की ठगी हुई। जांच के दौरान पुलिस ने बैंक स्टेटमेंट, सीडीआर और केवाईसी दस्तावेजों की पड़ताल की। इसमें ठगी की रकम का एक हिस्सा साहिल कुमार सुरेला के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक खाते में पहुंचना सामने आया।

पूछताछ में साहिल ने बताया कि उसकी मुलाकात रवि कुमार घोसल्या से हुई थी। रवि ने अपना बैंक खाता बंद होने की बात कहकर साहिल के नाम से खाता खुलवाने के लिए कहा। गत 11 जून 2026 को वह साहिल को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की चौमूं-काचोलिया रोड शाखा ले गया और उसके नाम से खाता खुलवाया।

उप महानिरीक्षक पुलिस साइबर क्राईम शान्तनु कुमार सिंह के अनुसार रवि ने खाते में अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी दर्ज कराई तथा एटीएम कार्ड और बैंकिंग किट अपने पास रख ली। इतना ही नहीं, साहिल के आधार कार्ड में भी अपना मोबाइल नंबर अपडेट कराया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि बैंक खाता उपलब्ध कराने के बदले साहिल को शुरुआत में कुछ रुपए और बाद में 5 से 6 हजार रुपए कमीशन दिया गया। इसके अलावा उसके निजी खर्च के लिए अलग-अलग दुकानों और पेट्रोल पंपों के क्यूआर कोड पर 3 से 4 हजार रुपए भी डलवाए गए। पुलिस अब मामले में रवि कुमार घोसल्या की भूमिका और ठगी की रकम की आगे की मनी ट्रेल की जांच कर रही है।

बिजनेसमैन को मारने की धमकी देकर एक करोड़ रु. रंगदारी मांगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जवाहर सर्किल थाना इलाके में एक बिजनेसमैन को वॉट्सऐप कॉल कर जान से मारने की धमकी देने और एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जयपुर नगर निगम चुनाव में हार का बदला लेने के लिए बिजनेसमैन को धमकाया गया। धमकी देने के लिए जिस मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया गया, वह ट्रूकॉलर पर पटवारी रविन्द्र कुमार महावर के नाम से प्रदर्शित हुआ। पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जांच अधिकारी एएसआई किशन लाल ने बताया कि बस्सी निवासी बिजनेसमैन का ऑफिस जवाहर सर्किल क्षेत्र स्थित गोकुल वाटिका में है। पीड़ित ने रिपोर्ट में बताया कि 18 सितंबर की दोपहर को वह ऑफिस में बैठा था। इसी दौरान उसके मोबाइल पर व्हाट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने चार दिन में एक करोड़ रुपए मांगे और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी।

आरोपी ने धमकाते हुए कहा कि 4 दिन में उसके बताए स्थान पर एक करोड़ रुपए पहुंचा देना, अन्यथा चार दिन के अंदर जान से मार दिया जाएगा। बच्चों के अनाथ होने की धमकी देते हुए कहा गया कि चार दिन की जिंदगी जी ले, पांचवां दिन नहीं देख पाएगा। धमकी भरा कॉल आने के बाद बिजनेसमैन ने मोबाइल नंबर को ट्रूकॉलर पर चेक किया। नंबर रविन्द्र कुमार महावर के नाम से प्रदर्शित हुआ। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि रविन्द्र कुमार पहले दांतली-सिरोली क्षेत्र में पटवारी रह चुका है, इसलिए वह उसे पहले से जानता है। इसके बाद बिजनेसमैन ने रविन्द्र से संपर्क किया। रविन्द्र ने बताया कि करीब चार दिन पहले उसने यह सिम हरियाणा में रहने वाले अपने एक दोस्त को दी थी। उसने दोस्त से बात करने की बात कही। बाद में रविन्द्र ने पीड़ित को बताया कि अब आगे से कोई कॉल नहीं आएगा। पुलिस के अनुसार पूछताछ में रविन्द्र ने बताया कि 17 सितंबर को वह अपने दोस्तों कपिल शर्मा, मुनीराज मीणा और रामलाल मीणा के साथ विराटनगर स्थित एक फार्म हाउस पर गया था। रात में पार्टी नहीं हुई। अगले दिन 18 सितंबर की सुबह नहाने के बाद चारों ने पार्टी शुरू की।

पुलिस के अनुसार इसी दौरान जयपुर नगर निगम के वार्ड 61 से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले रामलाल मीणा ने चुनाव हारने की बात कही। कपिल शर्मा ने कथित तौर पर कहा कि बिजनेसमैन ने चुनाव में रामलाल को हराने के लिए वार्ड में पैसे बांटे थे। इसके बाद कपिल ने रविन्द्र का मोबाइल लेकर बिजनेसमैन को वॉट्सऐप कॉल किया और धमकी दी।

'देश में घटते जनाधार व चुनावों में मिल रही हार से बौखलाई कांग्रेस'

जयपुर । पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने जयपुर में कांग्रेस के प्रदर्शन पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश में घटते जनाधार और चुनावों में लगातार मिल रही हार से कांग्रेस पूरी तरह बौखला गई है। इसी के परिणामस्वरूप कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर अपनी राजनीतिक असफलता से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। राठौड़ ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन के बाद कांग्रेस जिस प्रकार के प्रदर्शन कर रही है, उससे उसकी राजनीतिक बेचैनी नजर आ रही है। भारतीय सेना के शौर्य और निर्वाचन प्रक्रिया पर सवाल उठाना कांग्रेस की राजनीति का हिस्सा बन गया है। निर्वाचन आयोग और सर्वोच्च न्यायालय जैसे संवैधानिक संस्थानों के निर्णयों पर सवाल उठाने की बजाय राजनीतिक दलों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सम्मान करना चाहिए। राजेन्द्र राठौड़ ने एसआईआर के मुद्दे पर कहा कि 27 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण की वैधानिकता को बरकरार रखा था।

गुमनाम रहकर बाल यौन शोषण सामग्री फैलाने वालों की खैर नहीं : एडीजी वी.के.सिंह

जयपुर (कासं)। बाल यौन शोषण संबंधी सामग्री (सीएसईएएम) के प्रसार के खिलाफ राजस्थान पुलिस साइबर क्राइम ब्रांच ने बड़ा अभियान शुरू किया है। मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए ऐसी सामग्री देखना, डाउनलोड करना, रखना या साझा करने वालों पर पुलिस लगातार निगरानी रख रही है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर चल रही कार्रवाई के तहत प्रदेश में अब तक करीब 7 हजार 800 यूआरएल/सोशल मीडिया प्रोफाइल, 15 हजार 326 मोबाइल नंबर और 100 डिवाइस चिन्हित कर ब्लॉक करवाए गए हैं।

एनसीएमईसी की टिपलाइन रिपोर्ट के आधार पर चूरू, नागौर, अलवर, खैरथल-तिजारा, सीकर, हनुमानगढ़ और चित्तौड़गढ़ जिलों में प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

एडीजी वी. के. सिंह

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम वीके सिंह ने बताया कि तकनीकी विश्लेषण और एनसीएमईसी से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर संदिग्ध मोबाइल नंबर, सोशल मीडिया अकाउंट और डिजिटल ट्रेल की पहचान की जा रही है। इसके बाद संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और दूरसंचार सेवा

- राजस्थान पुलिस ने 15 हजार से अधिक नंबर ब्लॉक किए, टेलीग्राम-डिस्कॉर्ड के ग्रुप भी की रडार पर
- एनसीएमईसी टिपलाइन रिपोर्ट के आधार पर कई जिलों में एफआईआर दर्ज

प्रदाताओं को जानकारी देकर आपत्तिजनक लिंक, प्रोफाइल और मोबाइल नंबर ब्लॉक करवाए जा रहे हैं।

टेलीग्राम-डिस्कॉर्ड के ग्रुप बने माध्यम

पुलिस के अनुसार सीएसईएएम के प्रसार के लिए टेलीग्राम और डिस्कॉर्ड जैसे प्लेटफॉर्म पर गुप्त या पेड ग्रुप और चैनल बनाए जाते हैं। इनमें लोग फर्जी अथवा गुमनाम पहचान के साथ जुड़कर आपत्तिजनक सामग्री का आदान-प्रदान करते हैं। कई मामलों में सामग्री निजी संदेशों के जरिए भेजी जाती है, जबकि गूगल ड्राइव या अन्य क्लाउड स्टोरेज पर सामग्री अपलोड कर केवल उसका लिंक साझा किया जाता है। पुलिस के मुताबिक आरोपी कार्रवाई से बचने के लिए सोशल मीडिया पर कोडेड शब्दों और हैशटैग का इस्तेमाल भी करते हैं। कई बार इंस्टाग्राम या फेसबुक जैसे सामान्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से संपर्क शुरू करने के बाद बातचीत को अपेक्षाकृत कम निगरानी वाले प्लेटफॉर्म पर ले जाया जाता है।

राजस्थान की पर्यटन क्षमता प्रदर्शित

मुंबई । होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (एचआरएआर) ने 26-27 सितंबर को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित "मेलांज 3.0" में राजस्थान की पर्यटन, आतिथ्य, संस्कृति और खान-पान की विविधता प्रदर्शित की। एचआरएआर के विशेष पवेलियन में जयपुर, जोधपुर, सरिस्का, प्रतापगढ़, उदयपुर, कुंभलगढ़, रणथंभौर, पुष्कर और जैसलमेर सहित विभिन्न क्षेत्रों के 10 प्रमुख होटल एवं आतिथ्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोजन के दौरान ट्रैवल एजेंट, टूर ऑपरेटर, खरीदार और पर्यटन कारोबार से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ व्यापक बी2बी बैठकें हुईं, जिससे नए व्यावसायिक अवसरों की संभावनाएं बनीं। पवेलियन में राजस्थान की क्षेत्रीय मिठाइयों, नमकीन और पारंपरिक व्यंजनों के साथ कम प्रसिद्ध एवं उभरते पर्यटन स्थलों और नए पर्यटन सर्किट्स को भी बढ़ावा दिया गया।